अर्हम्

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

समय सीमा : 3 घंटा | तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2013) | दिनांक 19.12.2013

पंचम वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र | पूर्णांक – 100

धर्मचक्र का प्रवर्तन – 40

प्र.1 किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए। 8

(क) बाल दीक्षा विरोधी समिति के प्रमुख प्रतिनिधि व्यक्ति कौन–कौन थे जिन्होंने आचार्यश्री तुलसी से इस सन्दर्भ में बातचीत की?

(ख) अमृत महोत्सव के समय चेतना–जागरण के रूप में कौन सा घोष दिया गया?

(ग) जैन विश्व भारती द्वारा कौन–कौन से पत्र–पत्रिका प्रकाशित हो रहे हैं?

(घ) आचार्य तुलसी द्वारा रचित संस्कृत रचनाएँ कौन–कौन सी हैं?

(ङ) ''फिर यह कार्य रद्दी की टोकरी में डाल दिया जाए।'' यह कथन किसने किस संदर्भ में कहा था?

(च) साधु–जीवन के उपयोगी उपकरणों में कोई पाँच के नाम लिखें।

(छ) प्रेक्षाध्यान प्रशिक्षकों में किन–किन व्यक्तियों का नाम उल्लेखनीय है?

(ज) श्रावक सम्मेलन में श्रावकों के लिए अनेक प्रस्ताव पारित हुए वे किस नाम से प्रसिद्ध हैं?

(झ) आचार्यश्री तुलसी ने खाद्य संयम का वार्षिक प्रयोग कब किया?

(ञ) व्यवहार का तीसरा प्रतिमान क्या है?

प्र.2 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्य में लिखें – 5

(क) छद्मस्थता क्या है?

(ख) पारस्परिक सद्भावना हेतु ''अग्निपरीक्षा'' संबंधी विवाद की समाप्ति की घोषणा कब, कहाँ और किसने की?

(ग) रायपुर में अग्निपरीक्षा के विरोध में हुई घटनाओं के प्रमुख दो कारण आचार्यश्री तुलसी ने कौन–कौन से बताये?

(घ) जैन विश्व भारती की स्थापना क्यों कि गयी?

प्र.3 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए। 12

(क) स्थिरवास शताब्दी समारोह पर टिप्पणी लिखें।

(ख) आचार्यश्री तुलसी ने तेरापंथ, जैनधर्म तथा भारतीय दर्शन को क्या–क्या अवदान दिए?

(ग) कुशल साधक कौन है? इस कथन पर लोगों ने क्या–क्या उत्तर दोहराया?

(घ) जीवन विज्ञान पर टिप्पणी लिखें।

प्र.4 आचार्यश्री तुलसी के शासन काल में आने वाले आन्तरिक संघर्षों पर विस्तार से प्रकाश डालें। 15

'अथवा'

सिद्ध करें कि आचार्यश्री तुलसी ने पौद्गलिक वातावरण में अध्यात्म की लौ को पुनरुद्दीप्त

किया है।

महात्मा महाप्रज्ञ – 40

प्र.5 किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए – 8

(क) कौन से गीत को बार–बार श्रवण से बालक के मन में आचार्य भिक्षु के प्रति श्रद्धा का भाव उत्पन्न हो गया?

(ख) बालक नथमल को वैराग्यमयी प्रेरणा कौन से संतों ने दी?

(ग) वैरागी बालक नथमल ने आचार्य कालूगणी से दीक्षा की प्रार्थना करना कहाँ शुरू किया? तथा आदेश कहाँ मिला?

(घ) मुनि नथमल का दूसरा केशलुंचन कौन–कौन से संतों ने कितने दिन में किया?

(ङ) ''मर्यादा मुक्तावली'' का संकलन कब और कहाँ किया गया?

(च) मुनि जीवन में महाप्रज्ञजी ने गुरुदेव तुलसी से पृथक् कितने चातुर्मास किये तथा पहला पृथक् चातुर्मास कहाँ किया?

(छ) संघ में सविधि प्रतिक्रमण का प्रारम्भ कब व किस अवसर पर हुआ?

(ज) युवाचार्यश्री महाप्रज्ञजी अधिकृत रूप में संघ के प्रशासनिक दायित्व से सीधे कब व किस अवसर पर जुड़े?

(झ) आचार्यश्री महाप्रज्ञजी ने आचार के मूल आधार कितने व कौन–कौन से बताये?

(ञ) आचार्यश्री महाप्रज्ञजी को ''राष्ट्रीय साम्प्रदायिक सद्भाव पुरस्कार'' कब और कहाँ प्राप्त हुआ?

प्र.6 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए – 5

(क) मेवाड़ यात्रा स्थगित होने पर कौन–कौन से चातुर्मास व मर्यादा महोत्सव स्थगित हुए?

(ख) श्री महाप्रज्ञजी द्वारा अध्यापित पाँच ग्रन्थों के नाम लिखें।

(ग) दिल्ली पृथक् चातुर्मास के समय आचार्यश्री तुलसी ने मुनि नथमलजी को कितने व कौन से मुख्य करणीय कार्य दिये?

(घ) संघ में कौन–कौन से तीन आचार्यों की जोड़ी अपने उत्तराधिकारी के साथ दीर्घ काल तक चली?

प्र.7 कोई दो प्रश्नों के 100 से 150 शब्दों में उत्तर दीजिए – 12

(क) विकास महोत्सव पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।

(ख) आचार्यश्री महाप्रज्ञजी के खाद्य संयम तथा दिनचर्या पर प्रकाश डालें।

(ग) सिद्ध करें कि आचार्यश्री महाप्रज्ञजी आशु कविता की कसौटी पर खरे उतरे?

(घ) ''अहिंसा यात्रा'' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।

प्र.8 आचार्यश्री महाप्रज्ञजी की योगसाधना व उसके पुनरुद्धार पर विस्तार से प्रकाश डालें।15

'अथवा'

''आचार्यश्री महाप्रज्ञ का तादात्म्य भाव आचार्यश्री तुलसी से बाल्यकाल में जुड़ा वह तुलसी–महाप्रज्ञ युग में बदल गया।'' इस कथन को सिद्ध करें।

तेरापंथ–प्रबोध – 10

प्र.9 कोई तीन पद्य लिखें – 10

(क) आण–दुहाई फिरी.....धार हो।।

(ख) ''जयाचार्य के शासन'' वाला पद्य।

(ग) पुण्य–बंध.....प्रकार हो।।

(घ) ''विद्या के प्रांगण में'' गीत वाला पद्य।

(ङ) सिरियारी में.....प्राकार हो।।

तुलसी–प्रबोध – 10

प्र10 कोई तीन पद्य लिखें। 10

(क) तिक्खुत्तो नोकार ..... तेराद्वार हो।।

(ख) पो बिद पांचम.....विहार हो।।

(ग) पंडित नेहरू तथा राष्ट्रपति राजेन्द्र प्रसाद से मुलाकात वाला पद्य।

(घ) ''अमृत महोत्सव'' वाला पद्य।

(ङ) तुलसी युग में हुए संत, सती व समणीवृन्द की संख्या वाला पद्य।